सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 339 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 20 जनवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।

-ओपरा विनफ्रे

भारतीय महिला हॉकी टीम का सपना... 7 | मोदी की गारंटी कहीं बन जाए... 3 | सभी लोस सीटों पर अकेले लड़ने... 2

कांग्रेस का मोदी सरकार पर जोरदार प्रहार

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में जुट रही भीड़

बीजेपी ने पूरे मणिपुर को जला दिया : राहुल

» बोले- असम पर दिल्ली से शासन नहीं होना चाहिए

» सातवें दिन असम पहुंची यात्रा, लोगों में दिखा उत्साह

» नॉर्थ ईस्ट की संस्कृति और भाषा की रक्षा करना हिंदुस्तान के भविष्य के लिए बहुत जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोहिमा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम में लोगों के बीच तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। इस यात्रा में लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुनने को भारी समुहों के साथ जुट रहें है। कांग्रेस सांसद ने भी लोगों से मिलकर उनके दुख-सुख पर चर्चा की। इस बीच उन्होनें जनसभा में बोलते हुए बीजेपी सरकार व प्रधानमंत्री पर जमकर हमला बोला है। राहुल ने कहा कि भाजपा चाहती है कि आदिवासी जंगलों में रहें। वे नहीं चाहते कि आपके बच्चे ज्ञान हासिल करें। हम चाहते हैं कि जो आपका है वह आपको वापस मिले। ये विचारधारा की लड़ाई है।

शहर के अंदर से जाने की जिद की जाएगी तो पुलिस की व्यवस्था नहीं करेंगे : हिमंता बिस्वा सरमा

इससे पहले कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, हमने कहा है कि शहरों के अंदर से नहीं जाना है... जो भी वैकल्पिक रास्ता मांगा जाएगा उसकी अनुमति दे दी जाएगी लेकिन अगर शहर के अंदर से जाने की जिद की जाएगी तो हम पुलिस की व्यवस्था नहीं करेंगे...। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, सुरक्षा की बात आती है तो सुरक्षा की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की होती है...।

असम में कई दिक्कतों का सामना कर रही यात्रा : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि पार्टी की पहली दक्षिण से उत्तर तक निकाली गई 'भारत जोड़ो यात्रा' के भाजपा शासित राज्यों से गुजरने के दौरान कहीं इतनी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा, जितना असम में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकालने में करना पड़ रहा है। राहुल गांधी की अगुवाई में वर्ष 2022-23 में कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली गई थी और उनके नेतृत्व में गत 14 जनवरी से इंफाल से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आरंभ हुई है। बहुत भारी संख्या में लोग आए हैं और भारत जोड़ो न्याय यात्रा का स्वागत कर रहे हैं।

भीड़ देखकर बौखलाए हुए हैं असम के मुख्यमंत्री : वेणुगोल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मुझे लगता है कि वह (असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा) इस यात्रा से नाराज़ हो सकते हैं क्योंकि यह यात्रा उन्हें असम के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री के रूप में बेनकाब करने जा रही है। यह यात्रा यह कहानी बयां करने वाली है कि वह किस तरह असम राज्य को लूट रहे हैं... वह वास्तव में असम के लोगों का अपमान कर रहे हैं। कल यात्रा में हर समुदाय के लोग मौजूद थे। संपर्क करने पर विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने कहा कि प्राथमिकी यात्रा से पहले अनावश्यक बाधाएं पैदा करने की एक चाल है।

बीजेपी ने मणिपुर को जला दिया, लेकिन पीएम ने कभी राज्य का दौरा नहीं किया। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के राज्य में पहुंचने पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा भारत के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमारा कहना है कि असम को दिल्ली से नहीं चलाया जाएगा, इसे यहां असम से चलाया जाएगा। ये (असम सीएम) भाजपा के दूसरे मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार करना सिखा सकते हैं। पीएम ने नागालैंड में किए वादे पूरे नहीं किए।

सीएम हेमंत सोरेन से पूछताछ करने पहुंची ईडी

» आठवें समन में सामने दर्ज कराएंगे बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। ईडी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भूमि घोटाला मामले में पूछताछ करने पहुंच गई हैं। इससे पहले झारखंड के सीएम जांच में शामिल होने के लिए सहमत हो गए थे। इससे पहले जामताड़ा के विधायक इरफान सोलंकी सीएम से मिलकर भावुक हो गए। वहीं झामुओ के कार्यकर्ताओं ने जांच एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी भी की। एजेंसी के 8वें समन का जवाब देते हुए सीएम ने ईडी को पत्र लिखकर कहा है कि वह 20 जनवरी को उनके आधिकारिक आवास पर अपना बयान दर्ज कर सकते हैं।

सोरेन ने 31 दिसंबर, 2023 की समय सीमा तक प्रवर्तन एजेंसी के सातवें और आखिरी समन का जवाब नहीं दिया, इसलिए जांच में असहयोग को लेकर ईडी उनकी गिरफ्तारी के लिए अदालत से वारंट मांग सकती है।

लालू और तेजस्वी यादव को ईडी ने फिर भेजा समन

पटना। पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत दर्ज किया गया ईडी मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई एक शिकायत से उपजा है। यह कथित घोटाला उस दौरान किया गया था जब लालू प्रसाद यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित रेलवे जमीन के बदले नौकरी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के संरक्षक लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को नया समन जारी किया। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी।

रामलला की खुली आंखों वाली तस्वीर पर भड़के आचार्य सत्येंद्र दास

» कहा- प्राण प्रतिष्ठा तक भगवान के नेत्र नहीं खुलेंगे, किसने किया ऐसा काम, होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए जा रहे हैं। इस बीच रामलला की एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसमें प्रभु के नेत्र खुले हुए दिखाई दे रहे हैं। जिस पर राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने नाराजगी जताई है और कहा कि ऐसा स्वरूप मिल नहीं सकता अगर ऐसा हुआ है तो उसकी जांच होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा तक भगवान के नेत्र नहीं खुलेंगे।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि जहां नई मूर्ति है वहीं प्राण प्रतिष्ठा के नियम हो रहे हैं. अभी उसे खोला नहीं गया है। शरीर को कपड़े से ढक दिया गया है। भगवान रामलला की जो तस्वीर वायरल हो रही है सब झूठा है. जब मूर्ति तैयार हो जाती है। जिस मूर्ति का निर्णय हो जाता है कि इसे वहां ले जाना है तो उसके नेत्र बंद कर दिए जाते हैं। उसके स्थापित कर दिया जाता है। ये काम है वहीं होता है। जो आँख खुली हुई मूर्ति दिखाई गई है वो सही नहीं है। आज प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान का पांचवां दिन हैं, आज से प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अतिथियों का अयोध्या पहुँचना शुरू हो गया है।

प्राण प्रतिष्ठा तक पहले पूरा श्रंगार होगा

आचार्य ने कहा, मूर्ति का ऐसा स्वरूप मिल नहीं सकता है, अगर मिल गया है तो उसकी जांच होगी। ऐसे किसने खोल दिया और किसने ये किया, कैसे ये मूर्ति वायरल हो गई, उसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा तक पूरा श्रंगार होगा लेकिन, नेत्र नहीं खुलेंगे। इस समय मंत्रों के द्वारा और कर्मकांड को लेकर हो रहे हैं, इस बीच रामलला के शरीर के अन्य हिस्से खोल सकते हैं

सभी लोस सीटों पर अकेले लड़ने को तैयार : ममता

» बोलीं- उचित महत्व नहीं मिला तो लेंगे ऐसा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सीटों के बंटवारे को लेकर पश्चिम बंगाल में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के भीतर चल रहे घमासान के बीच, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि अगर उचित महत्व नहीं दिया गया, तो उनकी पार्टी राज्य की सभी 42 लोकसभा सीट पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने पार्टी की मुर्शिदाबाद जिला इकाई की बंद दरवाजे में हुई संगठनात्मक बैठक के दौरान अपना रुख व्यक्त किया। मुर्शिदाबाद एक महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक आबादी वाला क्षेत्र है और पारंपरिक रूप से कांग्रेस के गढ़ के रूप में देखा जाता है। बैठक के दौरान उन्होंने जिले की तीनों लोकसभा सीटों पर टीएमसी की जीत की जरूरत पर जोर देते हुए पार्टी नेताओं से चुनावी लड़ाई के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। कांग्रेस 2019 के चुनावों में केवल बहरामपुर सीट को बरकरार रखने में कामयाब रही, जहां से उसके पांच बार के सांसद और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी खड़े थे। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न जाहिर करने का अनुरोध करते हुए कहा, हमारी पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से कहा कि टीएमसी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के सबसे महत्वपूर्ण भागीदारों में से एक है, लेकिन बंगाल में अगर हमें बाहर कर आरएसपी, भाकपा, माकपा को ज्यादा महत्व दिया गया, तो हम अपना रास्ता खुद बनाएंगे और सभी 42 सीटों पर लड़ने और जीतने की तैयारी करनी चाहिए। माकपा के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा, कांग्रेस और टीएमसी सामूहिक रूप से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल में हालांकि माकपा और कांग्रेस ने टीएमसी और भाजपा के खिलाफ गठबंधन किया है।

टीएमसी पूरी ताकत से लड़ेगी तो सफलता जरूर मिलेगी

एक अन्य टीएमसी नेता ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा, पार्टी प्रमुख ने कहा कि हमें तीनों लोकसभा सीटें जीतने के लिए तैयारी करने की जरूरत है। जब हमारे एक विधायक हुमायूं कबीर ने बताया कि अधीर चौधरी अल्पसंख्यक बहुल जिले में एक कारक हैं, तो बनर्जी ने इस दावे को ज्यादा महत्व देने से इनकार कर दिया और कहा कि अगर टीएमसी एकजुट होकर लड़ाई लड़ेगी, तो उसे सफलता मिलेगी। राज्य में 2019 के चुनावों में, टीएमसी ने 22 सीटें हासिल कीं, कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं और भाजपा ने 18 सीटें हासिल कीं. कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हासेम खान चौधरी ने मालदा दक्षिण सीट से लगातार तीसरी जीत हासिल की थी।

नीतीश ने नारायण और त्यागी का बढ़ाया कद

» जदयू की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कमान संभालने के बाद पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की बनाई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बड़े बदलाव किए हैं। उन्होंने बिहार प्रदेश जदयू के पूर्व अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद और पार्टी के वयोवृद्ध नेता वशिष्ठ नारायण सिंह को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया है। इसके साथ ही पूर्व सांसद केसी त्यागी का भी कद-पद बढ़ा दिया है।

त्यागी को राजनीतिक सलाहकार और राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है। पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नीतीश समेत कुल 22 नाम हैं। बिहार सरकार से एकमात्र मंत्री संजय झा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह दी गई है। राज्यसभा के सांसद रामनाथ ठाकुर को महासचिव बनाया गया है। बिहार सरकार के मंत्री संजय कुमार झा भी इसी पद पर हैं। इनके अलावा पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल, पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी, विधान पार्षद आफाक अहमद खान, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, पूर्व मंत्री रामसेवक सिंह, राज्यसभा की पूर्व सांसद और राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष का कहकशां परवीन, विधान पार्षद कपिल हरिशचंद्र पाटिल, राज सिंह मान और पूर्व विधायक सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर सुनील को भी राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

यदुवंश और कृष्ण से बाहर न भटकें : मोहन यादव

» लालू व नीतीश का नाम लिए बिना कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव बिहार आए तो श्रीकृष्ण चेतना विकास मंच के कार्यक्रम में मंच पर बिहार भाजपा के नेताओं के लिए कुर्सी नहीं थी। भाजपाई दिग्गज मंच के सामने वाली वीआईपी कुर्सियों पर थे। भाजपा में उनके सीनियर नेता बिहार के पूर्व मंत्री व बिहार भाजपा के भूतपूर्व प्रदेश अध्यक्ष नंद किशोर यादव या पूर्व मंत्री व सांसद रामकृपाल यादव सम्मानित करने आए तो नम्र होकर उनका अभिवादन करते नजर आए डॉ. मोहन यादव। मोहन यादव ने अपने पूरे भाषण में दो बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिया।

एक बार यादव कुल के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने के लिए धन्यवाद देने के नाम पर और दूसरी बार चाय बेचने वाले की मेहनत की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने की बात कहते हुए। कुल मिलाकर मोहन यादव ने यदुकुल, यदुवंशी, गोपाल आदि शब्दों पर खुद को केंद्रित रखा। इस भीड़ में ज्यादातर यादव जाति के नेता थे, इसलिए उन्होंने यदुवंश और श्रीकृष्ण पर एक तरह से धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवचन दिया।

जीत के लिए सभी जुट जाएं : अखिलेश

» संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है गठबंधन : जयंत

» सपा-रालोद गठबंधन पर लगी मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में रालोद व सपा के बीच सहमति बनने से पहले पहले सपा नेता अखिलेश यादव और रालोद नेता जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया। एक ओर जहां अखिलेश यादव ने लिखा कि राष्ट्रीय लोक दल और सपा के गठबंधन की सभी को बधाई! जीत के लिए सभी एकजुट हो जाएं, जुट जाएं!.

वहीं रालोद नेता ने अखिलेश की पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा- राष्ट्रीय, संवैधानिक मूल्यों के रक्षा के लिए सदैव तत्पर, हमारे गठबंधन के सभी कार्यकर्ताओं से उम्मीद है, अपने क्षेत्र के विकास और खुशहाली के लिए कदम मिलाकर आगे बढ़ें! उत्तर प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव मद्देनजर समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के बीच सीटों को लेकर सहमति बन गई है। सूत्रों के अनुसार रालोद 7 से 8 सीटों पर गठबंधन में लड़ेगी। ज्यादातर पश्चिमी यूपी की सीटों पर आरएलडी के साथ सहमति बन गई है। सपा-रालोद के सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी के बीच बातचीत के बाद सहमति हो गई है। जल्द गठबंधन की ओर से आधिकारिक ऐलान हो सकता है। वहीं कांग्रेस के साथ सपा ने अभी तक सीटें फाइनल नहीं की हैं। सपा और कांग्रेस के बीच सीटों पर फाइनल बंटवारा अभी नहीं हुआ है।

रालोद को सपा देगी सात सीटें

जानकारी के मुताबिक समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के बीच 2024 के लोकसभा चुनाव हेतु समझौता तय राष्ट्रीय लोकदल के लिये समाजवादी पार्टी ने 7 लोकसभा सीटें छोड़ी हैं। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने समझौते की पुष्टि करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव व राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह की मुलाकात के बाद समझौता तय हुआ। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि रालोद के लिए सपा ने कौन सी सीटें छोड़ी हैं।

सीटों का बंटवारा अब अंतिम चरण में : फारूक अब्दुल्ला

» बोले-इंडिया गठबंधन में बातचीत जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन के साथ बातचीत में किसी भी तरह की देरी से इंकार किया और कहा कि इस दिशा में बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। फारूक अब्दुल्ला का बयान तब आया है जब उन्होंने हाल ही में कहा था कि अगर सीट बंटवारे पर जल्द सहमति नहीं बनी तो इंडिया गठबंधन के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्य एक अलग समूह बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के साथ उनके यूट्यूब चैनल पर चर्चा में, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था, अगर सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप नहीं दिया गया तो गठबंधन के लिए खतरा है। इसे समय रहते किया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी को जम्मू-कश्मीर में सीट बंटवारे के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन से कोई समस्या नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी के हितों को ध्यान में रखना होगा। मुझे नहीं लगता कि सीट बंटवारे में कोई देरी हुई है। वे पहले से ही इसके बारे में बात कर रहे हैं। इसमें समय लगता है। हर किसी के अपने हित हैं, और उन पर ध्यान देना होगा।

मोदी की गारंटी कहीं बन जाए फांस!

तीन राज्यों में बीजेपी सरकार के वादे अभी हवा हवाई, बड़े-बड़े वादों के लिए धन की व्यवस्था करना सिरदर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भजन, विष्णु व मोहन की निगाह केंद्र पर, असंतोष से दो-चार हो रही हैं मप्र, राजस्थाव छत्तीसगढ़ की सरकारें

नई दिल्ली। तीन राज्यों में बीजेपी सरकार के बने हुए लगभग एक महीने से ज्यादा हो गए हैं। वहां की सरकारों ने कमकाज संभाल लिया है। इस बीच तीनों राज्यों में समय-समय पर सरकारों के खिलाफ असंतुष्टि की खबरें भी आती रहती है। हालांकि इस तरह की खबरों का खंडन संगठन व सरकार स्तर पर कर दिया जाता है पर सियासी गलियारें में आम से खास तक में बतकही हो रही है कि बीजेपी सरकारों में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। समय-समय पर मप्र में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान तो राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बयान भी उनकी वेदना को दर्शा देते हैं। खैर इन सबके बीच कांग्रेस ने भी बीजेपी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

उधर छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के गठन के साथ ही साय सरकार के लिए चुनौतियों का दौर शुरू हो चुका है, जिससे उसे लगातार जूझते रहना पड़ेगा। सबसे बड़ी चुनौती है प्रदेश में विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाने की। भाजपा द्वारा चुनाव के दौरान किए गए इन तमाम वादों को पूरा करने पर बहुत भारी-भरकम खर्च होगा और पहले से ही कर्ज में डूबे छत्तीसगढ़ की वित्तीय हालत को सुधार कर इन वायदों को पूरा करना भाजपा के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। कुल मिलाकर वायदों को पूरा करने में भाजपा को अनुमानित करीब 65 हजार करोड़ की रकम खर्च करनी होगी। मौजूदा समय में छत्तीसगढ़ करीब 82 हजार करोड़ रुपये के कर्ज के बोझ तले दबाहै। कमोवेश ऐसी स्थिती मप्र व राजस्थान में भी है। बहरहाल, अब देखना यह है कि नए मुख्यमंत्री भाजपा आलाकमान के साथ-साथ जनता की उम्मीदों पर भी कितना खरा उतरते हैं, उनके काम करने के तौर-तरीके कैसे रहते हैं, शासन-प्रशासन को वे कितना बेहतर बना सकते हैं, राज्य का कितना आर्थिक विकास कर सकते हैं और अपने नेतृत्व में जनता के बीच कितनी साख कमा सकते हैं।

साय मंत्रिमंडल में सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा: विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल की सबसे खास बात यह है कि साय कैबिनेट में सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा आलाकमान द्वारा मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों में जातिगत समीकरणों का इस प्रकार ख्याल रखा गया है ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में सभी वर्गों के मतदाताओं को साधा जा सके। प्रदेश की 12 सदस्यीय कैबिनेट में 2 सामान्य, 6 ओबीसी, 3 एसटी और 1 एससी को शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल में 8 बार के विधायक बृजमोहन अग्रवाल, वरिष्ठ नेता केदार कश्यप, दयालदास बघेल और रामविचार नेताम ऐसे चेहरे हैं, जो पिछली भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके हैं जबकि अरुण साव, विजय शर्मा, आईएएस से नेता बने ओपी चौधरी और टंकराम वर्मा पहली बार विधायक बनने के बाद मंत्री बने हैं जबकि श्याम बिहारी जायसवाल और लखनलाल देवांगन पहले भी एक बार विधायक रहे हैं। मुख्यमंत्री सहित कुल 12 मंत्रियों में से सर्वाधिक 6 ओबीसी वर्ग से रखे गए हैं, जिनमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जयसवाल, टंकराम वर्मा, ओपी चौधरी और लक्ष्मी राजवाड़े शामिल हैं जबकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रामविचार नेताम और केदार कश्यप अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। एससी वर्ग यानी अनुसूचित जाति से दयालदास बघेल और सामान्य वर्ग से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा बृजमोहन अग्रवाल को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। लक्ष्मी राजवाड़े कैबिनेट में एकमात्र महिला सदस्य हैं।

हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाने पर जोर

बहरहाल, छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के गठन के साथ ही साय सरकार के लिए चुनौतियों का दौर शुरू हो चुका है, जिससे उसे लगातार जूझते रहना पड़ेगा। सबसे बड़ी चुनौती है प्रदेश में विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाने की। दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा जनता के समक्ष 'मोदी की गारंटी' के रूप में जिस तरह की घोषणाएं की गई थी, उन्हें अमलीजामा पहनाए जाने पर सरकारी खजाने पर बहुत बड़ी चोट पड़ने वाली है। ऐसे में मुख्यमंत्री के समक्ष किसानों, कामगारों और महिलाओं से किए गए वायदों को पूरा करने की बड़ी चुनौती रहेगी। माना जाता है कि 2018 में भाजपा की करारी हार का एक बड़ा कारण उसका घोषणा पत्र भी था लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा ने इसका खास ध्यान रखते हुए जनता से खूब वायदे किए और अपने घोषणा पत्र को पार्टी ने 'छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी' का नाम दिया और जनता ने भी 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा जताया। ऐसे में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा पर अपनी दी गई सभी गारंटियों को मूर्त रूप देकर जनता को उसका सीधा लाभ पहुंचाने की बड़ी चुनौती सामने रहेगी और निश्चित रूप से इन परिस्थितियों में मुख्यमंत्री के लिए आगे की राह आसान नहीं है।

राजस्थान में पहली ही हार से भजन लाल दबाव में

राजस्थान में भाजपा की सरकार बने अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। उससे पहले ही सरकार को उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है। उपचुनाव में हुई हार का असर अगले लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिल सकता है। उपचुनाव की जीत से जहां कांग्रेस पार्टी के नेताओं का मनोबल मजबूत हुआ है जिससे लोकसभा चुनाव में वह और अधिक एकजुटता से चुनाव लड़ने का प्रयास करेंगे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने यहां से विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर को अपना प्रत्याशी बनाया था। मगर मतदान से पूर्व ही उनकी मृत्यु होने से चुनाव स्थगित हो गया था। 2019 के चुनाव में भाजपा के निहालचंद मेघवाल को 897177 वोट व कांग्रेस के भरतलाल मेघवाल को 490199 वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव से 2023 के विधानसभा चुनाव तक जहां भाजपा कमजोर हुई है वहीं कांग्रेस मजबूत बनकर उभरी है।राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले की श्री करनपुर विधानसभा सीट पर संपन्न हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रूपिंदर सिंह कुन्नर ने भाजपा प्रत्याशी व राजस्थान सरकार में मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को 11261 वोटों के अंतर से हरा दिया। सुरेंद्रपाल सिंह टीटी की हार से भाजपा की किरकिरी हुई है। भाजपा ने उपचुनाव के दौरान अपने प्रत्याशी सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को चुनाव जितवाने के लिए चुनावी प्रक्रिया के दौरान ही मंत्री तक बना दिया था। मगर इसके बावजूद भी वह चुनाव में पराजित हो गए। देश में इस तरह कि यह पहली घटना है। जब चुनावी प्रक्रिया के दौरान किसी प्रत्याशी को मंत्री बनाया गया था। चुनावी प्रक्रिया के दौरान टीटी को मंत्री बनाने को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग तक शिकायत भी की थी। मगर भाजपा ने किसी भी आरोप की परवाह ना करते हुए टीटी को मंत्री पद की शपथ दिलवा दी थी।

लोक सभा चुनाव में होगी भजनलाल की अग्नि परीक्षा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपने मंत्रिमंडल में शामिल सभी मंत्रियों को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भेज कर आमजन की समस्याओं का समाधान करवाना होगा। अब तक सरकार के मंत्री अधिकांशतः जयपुर स्थित सचिवालय में ही बैठते रहे हैं। मगर मुख्यमंत्री को इस परंपरा को बदलकर गांव के अंतिम छोर पर बसे गरीब की सुध लेने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा तभी लोगों को प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का एहसास होगा। मंत्रियों के फील्ड में रहने से आमजन की समस्याओं का भी तेजी से समाधान होगा इसके साथ ही सरकारी ब्यूरोक्रेसी भी सक्रिय होकर काम करेगी। राजनीति में हार जीत होती रहती है और एक उपचुनाव की हार से सरकार को निराश होने की जरूरत नहीं है। जब सरकार संवेदनशीलता से काम करेगी तो प्रदेश की जनता के दिलों पर राज भी करेगी। मंत्रिमंडल में अभी 6 पद रिक्त हैं। जिन पर भी मंत्रियों की नियुक्ति की जानी चाहिए। जिससे सरकार और अधिक बड़े स्वरूप में काम कर सके। आगामी लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार की बड़ी परीक्षा होगी। उसमें वह कितना सफल होते हैं। इस पर उनकी सरकार का भविष्य टिका है।

किसानों की उम्मीदें बढ़ीं

भाजपा ने चुनाव के दौरान जनता से न केवल यह वायदा किया था कि वह किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी करेगी बल्कि अपने संकल्प पत्र में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने का भी वादा किया था जबकि धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपये है। ऐसे में सरकार को धान की खरीद पर किसानों को अब 800 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा, जिसके लिए सरकार को करीब 10 हजार करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व की जरूरत होगी। धान खरीदी पर सरकार की करीब 45 हजार करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। इसी प्रकार यदि महिलाओं को 12 हजार रुपये वार्षिक दिए जाने के वायदे पर अमल किया जाता है तो छत्तीसगढ़ की करीब 70 लाख विवाहित महिलाओं के लिए सरकार को करीब साढ़े नौ हजार करोड़ के फंड की व्यवस्था करनी पड़ेगी। गरीब परिवार की महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलैंडर देने का भी वादा किया गया था। ऐसे में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों पर 570 करोड़ से ज्यादा और गैस सिलैंडर सब्सिडी पर करीब एक हजार करोड़ की रकम खर्च होगी। एक लाख शासकीय पदों पर भर्ती करने का वायदा भी भाजपा ने चुनाव के दौरान किया था।

वसुंधरा राजे भी एक बार फिर हो रहीं मुखर

विधानसभा उपचुनाव में मिली हार के बाद हाशिये पर धकेल दी गई पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी एक बार फिर मुखर होकर अपने समर्थकों को लामबंद कर सकती हैं। हाल ही में पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीन दिन तक जयपुर में रहने के बावजूद वसुंधरा राजे ने उनसे एक बार भी मिलना उचित नहीं समझा। इससे लगता है कि उनके मन में आज भी मुख्यमंत्री नहीं बन पाने की टीस है। मंत्रिमंडल गठन में भी उनके समर्थक कई वरिष्ठ विधायकों की भी उपेक्षा की गई है। हालांकि विधानसभा उपचुनाव में हारने के बाद मंत्री बनाए गए सुरेंद्र पाल सिंह टीटी का मंत्री पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। चुनाव के दौरान जिस तरह से घटनाक्रम चला है उसको देखकर तो यही लगता है कि भाजपा सरकार को अभी जमने में समय लगेगा।

कांग्रेस ने मतदाताओं की सहानुभूति का लिया लाभ

कांग्रेस ने मतदाताओं की सहानुभूति लेने के लिए अपने मृतक विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के पुत्र रूपिंदर सिंह कुन्नर को प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा था। कांग्रेस का यह दांव सफल रहा और उनका प्रत्याशी चुनाव जीत गया। श्री गंगानगर लोकसभा क्षेत्र में वैसे भी विधानसभा चुनाव में भाजपा इस बार काफी कमजोर रही है। क्षेत्र की आठ में से भाजपा सिर्फ दो सीट सादुलशहर व श्रीगंगानगर ही जीत पाई है। पांच सीटों पर श्रीकरणपुर, सूरतगढ़, रायसिंह नगर, संगरिया, पीलीबंगा में कांग्रेस व हनुमानगढ़ सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजय हुआ है। इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से 94340 वोट अधिक मिले हैं। भाजपा प्रत्याशियों को पांच लाख 94 हजार 651 वोट व कांग्रेस प्रत्याशियों को छः लाख 88 हजार 991 वोट मिले हैं। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी निहालचंद मेघवाल 406978 वोटो से जीते थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर क्यों नहीं रुक रहे विश्व में युद्ध

पूरी दुनिया में कहां तो चर्चा हो रही है कि युद्ध नहीं होने चाहिए पर जैसे किसी भी देश को इस बात की चिंता ही नहीं है कि युद्ध से केवल नुकसान ही है लाभ नहीं। अभी युक्रेन-रुस, फिलिस्तील व इजराइल के अलावा कई देशों में आपसी रार जारी है। टकरार इतनी भीषण हे ये देश एकदूसरे पर मिसाइल तक दाग रहे हैं। इस तरह के बमबारी से इन देशों के आमजन अपनी जान गंवा ही रहे है वहां की अर्थव्यवस्था भी चौपट हो रही है। अभी इन देशों में युद्ध होना रुके भी नहीं थे कि ईरान ने पाकिस्तान पर सर्जीकल स्ट्राइक करके पाकिस्तान को उकसा दिया और उसने भी ईरान पर मिसाइन दागे। अब सवाल ये उठता है किये सब कब तक चला रहेगा। कब तक निर्दोष लोग मारे जाते रहेंगे। अब एक बार फिर पूरे विश्व के नेताओं को इस बात पर विचार करना चाहिए कि ऐसे युद्ध रोंके जाएं ताकि मानवता बची रहे। दरअसल, ईरान की ओर से मंगलवार को पाकिस्तान सीमा में स्थित एक आतंकवादी ठिकाने पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने पहले से ही तनावग्रस्त और संवेदनशील इस पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता को खतरा पैदा कर दिया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब 100 दिनों से भी ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच गाजा में चल रहे युद्ध के चलते पूरा मध्य-पूर्व असाधारण तनाव से गुजर रहा है। यही नहीं, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही लाल सागर से गुजरते जहाजों को लगातार निशाना बना रहे हैं, जिससे ग्लोबल ट्रेड प्रभावित हो रहा है। ईरान ने जैश अल-अदल नाम के जिस आतंकवादी ग्रुप के ठिकाने को निशाना बनाने की बात कही है, वह पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय सुन्नी मुस्लिम ग्रुप है। यह ईरान की सीमा के अंदर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता रहा है। ध्यान रहे, दोनों देशों के बीच करीब 950 किलोमीटर लंबी सीमा है। इसका ज्यादातर हिस्सा सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों में पड़ता है। ईरान शिया बहुल देश है, लेकिन इसके सिस्तान प्रांत में ज्यादातर सुन्नी आबादी रहती है। दोनों देशों के बीच रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं, लेकिन उनके बीच न केवल कूटनीतिक संबंध बने हुए हैं बल्कि व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को लेकर बातचीत और सहयोग भी जारी है। यह हमला अप्रत्याशित इसलिए भी माना गया क्योंकि उसी दिन दावोस में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और ईरान के विदेश मंत्री की मुलाकात हुई थी। मगर इस मामले का ज्यादा बड़ा पहलू यह है कि यह एक सप्ताह में तीसरा मौका है, जब ईरान ने किसी और देश की क्षेत्रीय सीमाओं का उल्लंघन करते हुए हमला किया।

“ ईरान की ओर से मंगलवार को पाकिस्तान सीमा में स्थित एक आतंकवादी ठिकाने पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों ने पहले से ही तनावग्रस्त और संवेदनशील इस पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता को खतरा पैदा कर दिया है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब 100 दिनों से भी ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच गाजा में चल रहे युद्ध के चलते पूरा मध्य-पूर्व असाधारण तनाव से गुजर रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन को दरकिनार कर भिड़े ईरान-पाक

पुष्परंजना

सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के जिस गांव में 18 जनवरी, 2024 को पाक मिसाइलों के हमले से तीन महिलाएं और चार बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हुई है, उसमें यह दावा किया गया कि इनमें से कोई भी ईरानी मूल का नहीं है। यानी, ईरान इस 'दोस्ताना हमले' को बुरा नहीं माने। इससे दो दिन पहले 16 जनवरी, 2024 को ईरान ने पाकिस्तानी बलूच इलाके में अतिवादी समूह जैश उल अदल को निशाने पर लेकर 'दोस्ताना सर्जिकल स्ट्राइक' किया था, जिसमें दो बच्चे मारे गये थे। ईरान ने भी कहा था, पाकिस्तान इसका बुरा न माने। इस हमले से सबसे अधिक कोई डिस्टर्ब हो रहा है, तो वह है चीन।

ईरान और पाकिस्तान दोनों चीन के हम प्याला-हम निवाला हैं। दोनों के भिड़ जाने का मतलब है, ग्वादर में चीनी परियोजना का सत्यानाश। 7 जून, 2023 को चीन ने पहली बार पाकिस्तान-ईरान के साथ पेइचिंग में त्रिपक्षीय बैठक की थी। विषय दो मित्रों के बीच तनाव कम करना और आतंक विरोधी रणनीति पर अमल करना था। 16 मई, 2013 को चीन ने ग्वादर पोर्ट का नियंत्रण पाकिस्तान से अपने हाथों ले लिया था। यह चीन की महत्वाकांक्षी योजना रही है, लेकिन लोकल बलूच उसे नापसंद करते रहे।

वर्ष 2022-23 तक चीन ने सीपीईसी प्रोजेक्ट पर जो 65 अरब डॉलर खर्च किये, उसका बड़ा हिस्सा ग्वादर पोर्ट पर लगा है। सिस्तान-बलूचिस्तान के जिस इलाके में पाकिस्तान ने हमला किया है, वह ग्वादर से लगभग 300 किलोमीटर की दूरी पर है। गुरुवार को पाक विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि आज तड़के ही पाकिस्तानी फोर्स ने ईरान के सिस्तान ओ बलूचिस्तान प्रांत में कोह ए सब्ज स्थित आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। हमने 'ऑपरेशन मार्ग बर सर्माचार' के तहत कई आतंकवादियों को मार गिराया है। ईरानी हदों में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादी, स्वयं को सर्माचार कहते हैं। सर्माचार का मतलब होता है, 'नेतृत्व देने वाला कमांडर।' मार्ग का अर्थ है, 'मौत'। और बर का अर्थ है 'खिलाफ'। पाकिस्तान ने उसी के हवाले से 'ऑपरेशन मार्ग बर सर्माचार' रखा था, जिसका आशय था, 'ईरान में रहने वाले पाकिस्तानी मूल के आतंकवादियों के नेता के खात्मे का अभियान।'

पाकिस्तान ने कहा, 'हमने तथाकथित सर्माचारों को लेकर ईरान

को कई सबूत सौंपे थे, और सबूतों के आधार पर कार्रवाई की है।' ईरानी गृहमंत्री अहमद वाहिदी ने कुबूल किया है कि मारे गये सभी नौ लोग 'विदेशी' हैं। पाकिस्तान इस हमले की संजीदगी को समझता है, और शायद यही वजह रही है कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक को बीच में छोड़कर उसके कार्यकारी प्रधानमंत्री अनवारूल हक कक्कर और विदेश मंत्री इस्लामाबाद लौट आये हैं।

ईरान ने पाकिस्तान में हमला 16 जनवरी को किया था। उससे एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ईरान पहुंचे थे। उनकी मुलाकात ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और अपने समकक्ष आमिर-अब्दोल्लाहिआन से हुई थी। मालूम नहीं एस. जयशंकर इस कार्रवाई से कितना वाकिफ थे, मगर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, 'हम आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति रखते हैं। हमारा मानना है कि कोई देश आत्मरक्षार्थ ऐसे कदम उठा सकता है।' ठीक से देखा जाए तो भारत ने अपने बयान के जरिये अतीत में पाकिस्तान पर किये सर्जिकल स्ट्राइक को न्यायोचित ठहराया है। लेकिन उसकी कूटनीतिक व्याख्या की जाए तो ईरान और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन कर जो हमले किये, उसे सही ठहराना भी मुश्किलों को दावत देता है। अब पाक भी कह सकता है, कि हमने 'आत्मरक्षार्थ' ऐसा किया।

पाकिस्तान का 'ऑल वेदर फ्रेंड' चीन ने कहा है कि दोनों देशों को संयम बरतना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बयान दिया, 'हम इन हमलों की निंदा करते हैं। हमने देखा है कि ईरान ने पिछले कुछ दिनों में अपने तीन पड़ोसियों की संप्रभु सीमाओं का उल्लंघन कर रहा है। एक तरफ, ईरान इस इलाके में आतंकवाद का पनाह देने वाला देश है और दूसरी ओर वह दावा करता है कि उसने इन देशों पर कार्रवाई आतंकवाद से लड़ने के लिए की है।' अमेरिका ऐसे बयान से पाकिस्तान को अपने पाले में लेना चाहता है। पाक राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अलवी ने भी कहा कि हम कोई समझौता नहीं करेंगे। टाइम लाइन को ठीक से देखा जाए, तो 900 किलोमीटर की ईरान-पाक सीमा पर आये दिन खुफियागिरी और आतंकी घटनाएं होती रही हैं। 2013 में जैश अल-अदल ने एक हमले में 14 ईरानी सैनिक मारे थे। 2014 में ईरानी सुरक्षा बलों के पांच सदस्यों का अपहरण कर लिया गया था।

पाक सियासत में हिंदू नारी से आशाएं

अरुण नैथानी

यूं तो अक्सर पाकिस्तान से हिंदू अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण और धर्म परिवर्तन की ही खबरें आती हैं। लेकिन पिछले दिनों एक अच्छी खबर आई कि पहली बार किसी अल्पसंख्यक हिंदू बेटी को उत्तर पूर्वी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की एक सीट से चुनाव लड़ने का मौका मिला है। सामान्य सीट से लड़ने वाली सवीरा पाक की पहली हिंदू महिला हैं। एक महिला का चुनाव लड़ना इस पिछड़े इलाके में अचरज जैसा है। ऐसा इलाका जहां महिलाएं कपड़ों से लिपटी ही पुरुषों के साथ घर से बाहर निकल सकती हैं। इतना ही नहीं, कई महिलाओं को वोट डालने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे इलाके में सवीरा घर-घर जाकर वोट के लिये संपर्क साध रही हैं। दरअसल, सवीरा को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बूनेर सीट से टिकट दिया है। आज गुमनाम बेनूर-सा बूनेर पूरे पाकिस्तान ही नहीं पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरअसल, कुछ समय पूर्व तक बूनेर का इलाका पाक सेना व सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई से चर्चा में आया था। दरअसल, इस सदी के पहले दशक में चरमपंथी संगठन तहरीक-ए-तालिबान ने स्वात घाटी पर कब्जा कर लिया था। कालांतर तालिबान ने अपनी सीमा का विस्तार बूनेर तक कर लिया था। कई जगह कब्जा करके अपनी पोस्ट बना ली थी। जिसे खाली कराने के लिये सेना ने बूनेर में ऑपरेशन ब्लैक थंडरस्टॉर्म चलाया था। जो मीडिया की सुर्खियां बना था। लेकिन अब यह छोटा शहर सवीरा प्रकाश की ख्याति से चर्चाओं में है।

वास्तव में स्वात घाटी के निकट स्थित बूनेर पश्तून बहुल इलाका है। पाकिस्तान की राजधानी से करीब सौ किलोमीटर दूर स्थित बूनेर कभी स्वात रियासत का हिस्सा था। सवीरा अब खुद को भी पख्तून संस्कृति का हिस्सा मानती है। जिसकी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएं और रिवाज हैं। वह कहती है कि यह एक समावेशी समाज है जिसके चलते उनके परिवार को कभी किसी तरह के भेदभाव का शिकार नहीं होना पड़ा। जहां तक राजनीति में आने का सवाल है तो उन्हें घर में राजनीतिक रूप से जागरूकता का वातावरण मिला है। उनके पिता इलाके में एक चिकित्सक व समाजसेवी के रूप में पहचान रखते हैं। पिता सामाजिक कार्यों में तो संलग्न रहे ही हैं, साथ ही सक्रिय राजनीति में भी रहे हैं। वे पिछले तीन दशक से पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

यूं तो सवीरा पेशे से एक डॉक्टर हैं और सरकारी अस्पताल में सेवाएं दे रही हैं। लेकिन यह इलाका सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ है। उन्हें लगता है कि इस पिछड़े और आधी दुनिया के अंधेरे वाले समाज में वह सिर्फ चिकित्सक की भूमिका से सामाजिक बदलाव नहीं ला सकती है। वह कहती है कि इस इलाके के सामाजिक उत्थान के मकसद से वह राजनीति में आ रही है। उनका मानना है कि जब उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई शुरू की तो मकसद समाज के वंचित व कमजोर वर्गों के हितों का ही ध्यान था। राजनीति में आने का मकसद भी मानवीय सरोकार ही हैं। वह कहती हैं कि मुझे लगता था कि एक डॉक्टर की भूमिका में मैं वह बदलाव नहीं कर सकती, जो व्यापक सामाजिक बदलावों का वाहक बन सके। वह चाहती है कि इन लक्ष्यों के लिये हमें अपने सिस्टम में सुधार लाने की जरूरत है, जो राजनीतिक ताकत के जरिये ही हासिल किया जा सकता है।

दरअसल, सवीरा का भरोसा है कि क्षेत्र का प्रतिनिधि बनकर वह आधी दुनिया के वाजिब हकों को दिलाने में सक्षम होगी। वह क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का वे समाधान करना चाहती हैं। दरअसल, इस पिछड़े इलाके में लड़कियों के आगे बढ़ने के मौके बहुत कम हैं। पहले तो उन्हें पढ़ने का अवसर ही नहीं मिलता। एक तो आर्थिक कमजोरी और दूसरा मानसिक गरीबी कि लड़की घर से बाहर न निकले। सवीरा इस लीक को तोड़ना चाहती है। सवीरा चाहती हैं कि लड़के-लड़कियां मदरसों से बाहर निकलकर आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर सकें। ताकि मां-बाप लड़कियों को घरों में काम करने के लिये भेजने के बजाय स्कूल भेजें।

वैसे सवीरा की आगे की राह आसान भी नहीं है। वह लोगों से वोट मांगने नुक्कड़ सभाओं और बैठकों में जाती है तो असहज हो जाती है। दरअसल, इस पिछड़े इलाके में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी नगण्य ही है। हालांकि कई सभाओं में वह अकेली महिला होने पर अजीब अनुभव करती है। लेकिन स्थानीय लोग इस परिवार के समाज के लिये योगदान के चलते सकारात्मक प्रतिसाद दे रहे हैं। राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से इतर लोग उन्हें समर्थन देने की बात कर रहे हैं। उनके पिता का रसूख भी उनके काम आ रहा है। जिससे उनका मनोबल बढ़ा भी है। वह कहती है कि हम इसी मिट्टी में पले-बढ़े हैं। हमारे पूर्वजों ने विभाजन के बाद भारत जाने के बजाय इस धरती में रहना चुना। यहां समावेशी समाज ने हमें स्वीकार किया। वही लोग मेरे चुनाव लड़ने से खासे उत्साहित हैं।

बहरहाल, अब सवीरा चुनाव को लेकर उत्साहित हैं। जैसे-जैसे मतदान वाला महीना फरवरी करीब आ रहा है, सवीरा का विश्वास बढ़ रहा है। पहले चुनाव लड़ने को लेकर मन में कई तरह की आशंकाएं थीं। कई तरह के भय थे। लेकिन नामांकन कराने के बाद उसका डर कम हुआ है। उनके पिता सामाजिक जीवन और पीपुल्स पार्टी में तीन दशक से सक्रिय हैं। अन्य दलों के लोग भी पिता के कान में कह जाते हैं, चिंता मत करो बिटिया को वोट देंगे।

बादाम

बादाम खाने से बालों और स्किन में बहुत फायदेमंद होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में विटामिन-ई पाया जाता है। इसे रात में भिगोकर रखें, अगले दिन इसे खाएं। यह बात सच है कि भीगे हुए बादाम खाने से दिल हेल्दी रहता है और खराब कोलेस्ट्रॉल में राहत मिलती है और बढ़िया कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। भीगे हुए बादाम खाने से इसें मौजूद विटामिन ई एक एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करता है। बादाम में मौजूद यह तत्व उम्र और सूजन को रोकता है जो कि फ्री रेडिकल से होता है।

पपीता

पपीता विटामिन-ई का बहुत अच्छा सोर्स माना जाता है। इसे रोजाना खाने से सेहत और स्किन को कई फायदे मिलते हैं। पपीते में उच्च मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। साथ ही ये विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है। अपने इन्हीं गुणों के चलते ये कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में काफी असरदार है। एक मध्यम आकार के पपीते में 120 कैलोरी होती है। ऐसे में अगर आप वजन घटाने की बात सोच रहे हैं तो अपनी डाइट में पपीते को जरूर शामिल करें। इसमें मौजूद फाइबर्स वजन घटाने में मददगार होते हैं रोग प्रतिरक्षा क्षमता अच्छी हो तो बीमारियां दूर रहती हैं। पपीता आपके शरीर के लिए आवश्यक विटामिन सी की मांग को पूरा करता है।

हेल्दी बाल और स्किन के लिए खाएं ये फूड्स

शरीर में इसकी कमी से कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसकी कमी से मानसिक बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है।

व्हीट जर्म ऑयल

व्हीट जर्म ऑयल में सबसे ज्यादा विटामिन-ई पाया जाता है। जो बालों और स्किन के लिए फायदेमंद माना जाता है। इससे बाल मजबूत होते हैं और स्किन में चमक आती है।

हेजल नट

हेजल नट में भी विटामिन-ई पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आप इसे केक, ब्राउनी आदि में डालकर इसका सेवन कर सकते हैं।

एवोकाडो

एवोकाडो एक प्रकार का एक्जोटिक फ्रूट है जो आजकल मार्केट में भी मिलने लगा है। एवोकाडो भी विटामिन-ई का बेहतरीन सोर्स माना जाता है।

पालक

पालक में आयरन के साथ-साथ विटामिन-ई भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आप इसका इस्तेमाल सूप, सब्जी आदि में मिलाकर कर सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज में काफी मात्रा में विटामिन-ई पाया जाता है। आप इसका इस्तेमाल सलाद, सब्जी आदि में डालकर कर सकते हैं। सूरजमुखी के बीजों में लगभग 90 विटामिन, प्रोटीन, खनिज पदार्थ, एंटीऑक्सीडेंट फैट होते हैं। बीजों में विटामिन ई भी पाया जाता है और एंटीऑक्सीडेंट होने की वजह से यह आपके शरीर को बैक्टीरीया से भी बचाता है। इसमें फास्फोरस और कई तरह के खनिज पदार्थ भी पाए जाते हैं जो गर्भस्थ शिशु की हड्डियों के विकास में मदद करते हैं। इन बीजों में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। चूंकि, प्रेगनेंसी में महिलाओं की इम्यूनिटी कमजोरी होती है और वो आसानी से इंफेक्शन और बीमारियों की चपेट में आ सकती हैं। ऐसे में सूरजमुखी के बीज आपको और आपके बच्चों को बीमारियों से बचाते हैं।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल आदि। इन्हीं पोषक तत्वों में से एक विटामिन-ई, जो हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी माना जाता है। विटामिन-ई जो आंखों और बालों को हेल्दी रखने में मददगार है। शरीर में इसकी कमी से कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसकी कमी से मानसिक बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है। यह स्किन के लिए, ब्रेन के स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए जरूरी है कि हमें रोजाना विटामिन-ई से भरपूर खाद्य पदार्थ का सेवन करना चाहिए। शरीर में विटामिन-ई की कमी दूर करने के लिए कुछ फूड्स फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

हंसना मना है

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है या कसीदाकारी करानी है।

एक नेता मित्र से कह रहे थे-'कल जब मैं भाषण दे रहा था तो एक आदमी मेरी नकल कर रहा था। मित्र बोला- 'तुम्हें उसे मना कर देना था कि बेवकूफ-पागलों की तरह मुंह न चलाए।

पत्नी ने पति से प्रेम जताते हुए कहा-'जब आपको ज्ञात है कि मुझे गैस तक जलानी नहीं आती तो आपने ये क्यों कहा कि मैं भोजन बहुत बढ़िया बनाती हूं। 'आखिर शादी करने की किसी वजह तो बतानी ही थी।

सैनिकों की पत्नियां खुद पतियों की बहादुरी का बखान कर रही थीं। एक बोली-'मेरे पति ने हाल ही के युद्ध में बहुत बहादुरी का परिचय दिया था, उन्होंने एक दुश्मन की टांग काट ली थी।' 'पर टांग क्यों? सिर क्यों नहीं?' दूसरी महिला ने पूछा। 'उसका सिर तो पहले से कटा हुआ था।'

कहानी | लालची लकड़हारा

सोहनपुर गांव में रामलाल नाम का एक लकड़हारा रहता था। वो जंगल से रोज लकड़ियां चुनता और उन्हें बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। कुछ दिनों के बाद रामलाल की शादी हो गई। उसकी पत्नी बड़ी खर्चीली थी। इसलिए, अब उतनी लकड़ियों को बेचकर घर चलाना मुश्किल हो गया था। ऊपर से रामलाल की पत्नी कभी नए कपड़े खरीदने के लिए, तो कभी किसी दूसरी चीजों के लिए रामलाल से बार-बार पैसे मांगती थी। रामलाल उसकी नाराजगी वो बर्दाश्त नहीं कर पाता था। रामलाल ने ठान लिया कि वो अब ज्यादा लकड़ियां इकट्ठा करके बेचेगा, ताकि उसकी पत्नी को रोज-रोज पैसों की कमी न हो। आज रामलाल घने जंगल तक चला गया और बहुत सारी लकड़ियां चुनकर बाजार में बेच दीं। ज्यादा लकड़ियों के ज्यादा पैसे मिले, तो खुश होकर रामलाल ने सारे पैसे अपनी पत्नी को दे दिए। अब रोज रामलाल ऐसा ही करने लगा। देखते-ही-देखते वह पेड़ काटना भी शुरू कर दिया। इससे अधिक दाम मिलने लगे। लकड़हारा हर हफ्ते एक पेड़ काटता और लकड़ियां बेचकर मिलने वाले पैसों से अपनी पत्नी के शौक पूरे करता। अब पैसे ज्यादा आ रहे थे, धीरे-धीरे रामलाल ने पैसों को जुए में लगाना शुरू कर दिया। जुआ खेलने की लत ऐसी लगी कि रामलाल एक मोटी रकम इसमें हार गया। अब इस रकम को चुकाने के लिए रामलाल ने एक-दो मोटे-मोटे पेड़ काटने का फैसला लिया। जैसे ही रामलाल ने जंगल में जाकर अपनी कुल्हाड़ी को एक बड़े से पेड़ पर चलाने की कोशिश की, तो उसपर पेड़ की टहनी ने हमला कर दिया। रामलाल चौंक गया। फिर उसे पेड़ की एक टहनी ने लपेट लिया। तभी पेड़ से आवाज आई। मूर्ख, तू अपने लालच के चक्कर में मुझे काट रहा है। तू सारे पैसे जुए में लुटा देता है और फिर पैसे लौटाने के लिए पेड़ काटने आ जाता है। हमारे अंदर भी जान बसती है और हम तुम इंसानों को जीने के लिए हवा, धूप में छाया, और भूख को शांत करने के लिए फल देते हैं। लेकिन, तू अपने स्वार्थ के लिए हमें ही काट रहा है। पेड़ ने कहा, आज तू रूक, यही कुल्हाड़ी मैं अब तेरे ऊपर चलाऊंगी। पेड़ की टहनी कुल्हाड़ी से रामलाल पर वार करने ही वाली थी कि वह गिड़गिड़ाने लगा। उसने माफी मांगते हुए कहा, मुझसे गलती हुई है, लेकिन मुझे सुधरने का एक मौका दो। अगर आप मुझे मार दोगे, तो मेरी पत्नी का क्या होगा? वो अकेली पड़ जाएगी। आज से मैं किसी पेड़ को नहीं काटूंगा, यह प्रण लेता हूं। यह सब सुनकर पेड़ को रामलाल के ऊपर दया आ गई। उसने रामलाल को छोड़ दिया। छूटते ही रामलाल भागकर अपने घर गया और पैसों के लालच में न आने का संकल्प ले लिया।

7 अंतर खोजें

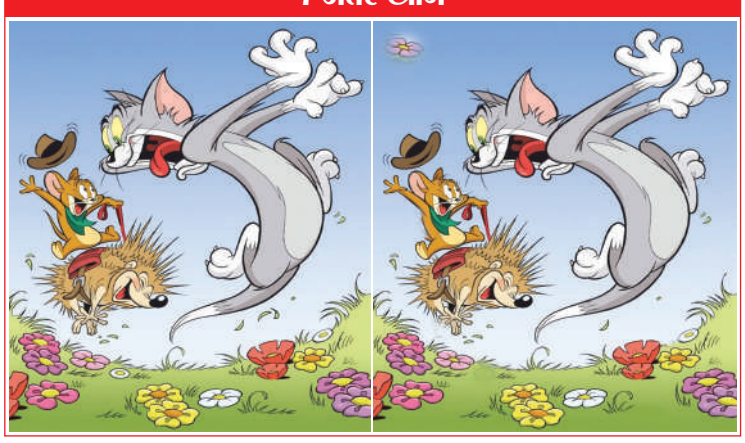

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ

भकीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन

सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी।

कर्क

धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

सिंह

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

कन्या

शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक

किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मकर

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ

चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन

कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

कंगुवा में दिखेगा सूर्या का अनोखा अंदाज

सूर्या साउथ सिनेमा के वो कलाकार हैं, जो अपने दमदार अभिनय के लिए काफी जाने जाते हैं। फिल्म सोरारई पोटरु और जय भीम जैसी मूवीज में अपनी शानदार अदाकारी से सूर्या शिवकुमार फैंस का दिल जीत चुके हैं। आने वाले समय में सूर्या डायरेक्टर शिवा की फिल्म कंगुवा में नजर आने वाले हैं। इस बीच कंगुवा का एक लेटेस्ट पोस्टर सामने आया है, जिसे फिल्म की लीड अदाकारा दिशा पाटनी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सूर्या का नाम लंबे समय से कंगुवा को लेकर चर्चा में बना हुआ है। हर कोई एक्टर की इस आने वाली फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच कंगुवा का एक और लेटेस्ट पोस्टर सामने आ गया है। इस पोस्टर को बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा

दिशा पाटनी ने शेयर किया लेटेस्ट पोस्टर

पाटनी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इस पोस्टर में आप देख सकते हैं कि सूर्या दो अलग-अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं, ये इस बात की तरफ इशारा करता है कि कंगुवा में एक्टर शायद दोहरी भूमिका में नजर आ सकते हैं। इसके साथ ही दिशा ने इस पोस्टर के कैप्शन में लिखा- समय से भी मजबूत नियति अतीत, वर्तमान और भविष्य। सब एक ही नाम की गूंज है, जिसे कंगुवा कहते हैं। आप सब के लिए पेश है इस फिल्म का सेकेंड पोस्टर। बता दें कि दिशा पाटनी और सूर्या की ये मूवी इसी साल रिलीज की जा सकती है। साल 2015 में दिशा पाटनी ने तेलुगु फिल्म लोफर के साथ साउथ सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह एक्टर वरुण तेज के साथ नजर आईं। तेलुगु के बाद अब तमिल फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाने के लिए दिशा बिल्कुल तैयार हैं और सूर्या की कंगुवा के जरिए वह तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करती नजर आएंगी। मालूम हो कि इससे पहले कंगुवा के फर्स्ट लुक पोस्टर और टीजर भी सामने आ चुके हैं।

रवीना ने किया 90 के दशक को याद

बोलीं- हमारी दोस्ती आज भी है बेहद मजबूत

बॉलीवुड | **मसाला**

90 के दशक की खूबसूरत अदाकारा रवीना टंडन इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। जल्द ही रवीना वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे एक बेहद ताकतवर महिला का किरदार निभाती दिखाई देंगी। पिछले दिनों रवीना ने अपनी आने वाली सीरीज के अलावा 90 के दशक के बारे में भी मीडिया खुलकर बातें कीं। अभिनेत्री रवीना टंडन अपने बेबाक और खुशमिजाज अंदाज के लिए मशहूर हैं। जब भी मीडिया से वे रूबरू होतीं हैं, दिल खोलकर बातें करती हैं। हाल के दिनों में मीडिया से बातें करते हुए, रवीना 90 के दशक को याद करती नजर आई थीं। रवीना बताती हैं, उन दिनों न तो स्मार्टफोन हुआ करता था और न ही आज की तरह लग्जरी वैन थे। हम लोग शूटिंग खत्म करके एक साथ में बैठा करते थे। बातों और गॉसिप्स का सिलसिला चल पड़ता था। उसी दौरान हमें पता चलता था कि किसका किसके साथ अफेयर चल रहा है और कौन अपनी पत्नी से पिटाई खाकर सेट पर आ रहा है। हमलोग आपस में बैठ कर देर तक बातें किया करते थे। रवीना आगे कहती हैं, मैं आज भी

शिल्पा, माधुरी, सोनाली सबसे जुड़ी हुई हूं। हम लोग हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते रहते हैं। इन दिनों उतना मिलना-जुलना नहीं हो पाता है, लेकिन सोशल मीडिया और फोन के जरिए हम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। नब्बे के दशक में हुई दोस्तियां आज भी मजबूत हैं। रवीना टंडन आने वाले दिनों में सीरीज कर्मा कॉलिंग में दिखाई देंगी। यह वेब सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। रवीना टंडन इसमें इंद्राणी कोठारी का किरदार निभा रही हैं। ये सीरीज अमेरिका की ऑरिजिनल सीरीज रिवेंज पर आधारित है। रवीना अपनी इस आने वाली वेब सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हैं।

बॉलीवुड | **मन की बात**

सुष्मिता सेन से अफेयर पर विक्रम बोले- मुझे इसका कोई मलाल नहीं

एक दौर था जब इंडस्ट्री में विक्रम भट्ट और सुष्मिता सेन के प्यार के चर्चे थे। ये 90 के दशक की बात है। दोनों का अफेयर मीडिया की सुर्खियों में रहता था। फिर विक्रम भट्ट का नाम अमीषा पटेल के साथ जुड़ा। हालांकि, आज विक्रम भट्ट की राहें सुष्मिता सेन से भी दूर हो चुकी हैं और अमीषा पटेल के साथ भी रिश्ता टूट चुका है। लेकिन, हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान निर्देशक इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ अपने अफेयर पर चर्चा करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का कोई अफसेस नहीं है। एक इंटरव्यू के दौरान विक्रम भट्ट ने कहा कि सुष्मिता और अमीषा के अलावा उनके कई और लोगों से भी अफेयर रहे। इसके अलावा उन्होंने ये भी माना कि इन रिलेशनशिप के दौरान उन्हें जो दर्द महसूस हुआ, उससे उन्हें कई मूल्यवान पाठ सीखने को मिले। विक्रम भट्ट का मानना है कि उन अनुभवों के बिना उनकी आध्यात्मिक यात्रा वैसी नहीं होती। साथ ही निर्देशक ने इस बात पर भी जोर दिया कि वे अपनी जिंदगी के सभी पहलुओं की जिम्मेदारी लेते हैं। इंटरव्यू के दौरान विक्रम भट्ट ने ये भी स्पष्ट किया कि उन्हें सुष्मिता सेन के साथ अपने रिलेशनशिप का कोई मलाल नहीं है। निर्देशक ने गलतियां करने की बात भी स्वीकार की, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने उनसे काफी कुछ सीखा है। विक्रम भट्ट ने इस बात पर जोर डाला कि जिंदगी एक सीखने की प्रक्रिया रही है और किसी भी गलती का उन्हें कोई अफसोस नहीं। विक्रम भट्ट ने ये खुलासा भी किया कि उन्होंने शुरुआत में ही फोन कॉल के जरिए सुष्मिता सेन और अमीषा पटेल दोनों से माफी भी मांगी। निर्देशक ने कहा कि ये रिश्ते, जिनकी चर्चा मीडिया में खूब हुई थी, सिर्फ यही उनकी जिंदगी में एकमात्र नहीं थे। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वे अपनी जिंदगी को एक निजी यात्रा मानते हैं और वे पूरी तरह कंपलीट महसूस करते हैं।

अजब-गजब | **किराया बचाने के लिए वैन में रहने लगी लड़की**

10 लाख लगाकर घर जैसा दिया लुक

महानगरों में घर खरीदना बेहद महंगा है, ऐसे में लोग किराये पर रहना पसंद करते हैं। पर अब तो किराया भी इतना ज्यादा हो चुका है कि लोगों को लगता है, उससे बेहतर होगा कि अपना घर लेकर उसकी ईएमआई चुका दी जाए। पर कुछ लोग तो किराया देने से भी बचने की कोशिश में लगे रहते हैं। ऐसा ही एक महिला ने भी किया। महिला किराया बचाने के लिए एक वैन में रहने लगी है। उसने बताया कि ऐसा करने के पीछे क्या कारण है। द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 23 साल की एमेलीज एक वैन में रहती हैं। उन्होंने इस वैन को अपना घर बना लिया है और उसे ऐसे डेकोरेट किया है कि अगर आप इसे एक बार देखेंगे, तो बार-बार देखने का मन करेगा। इंस्टाग्राम पर उनका अकाउंट है जिसपर वो अपने वैन से जुड़ी फोटोज और वीडियोज को पोस्ट करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि वो अपने कुत्ते के साथ वैन में रहती हैं। यही नहीं, उनके माता-पिता भी वैन में ही रहते हैं। उन्होंने कहा कि एक वक्त ऐसा आया उन्हें एहसास हुआ कि जिंदगी की सच्चाई क्या है। इस वजह से उन्होंने पैसे बचाने के बारे में सोचा और एक वैन खरीदकर उसे पूरी तरह से रेनोवेट कर लिया। उन्हें वैन को बनाने में 18 महीने का वक्त लगा और सितंबर 2021 को इसे पूरा

किया था। अब वो वैन से पूरा यूरोप घूमने निकली हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है, वो वैन के लिए बहुत रुपये खर्च करती हैं, पर ये सच नहीं है। उन्होंने 10 लाख रुपये में वैन को खरीदकर उसे पूरी तरह रेनोवेट कर लिया था। उन्होंने बताया कि वैन में रहना काफी सस्ता होता है। शुरुआती वैन लाइफ में उन्हें कोई खास खर्च नहीं करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि काफी वक्त उन्होंने फ्रांस में बिताया क्योंकि वहां वैन में रहना सस्ता था। इन तमाम बातों के बावजूद उन्हें एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। वो है उनकी सुरक्षा। वैन को पार्क करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। इस वजह से वो ऐसी किसी भी जगह पर वैन को खड़ा नहीं कर सकती हैं, जहां पर उन्हें या वैन को कोई खतरा हो। कई बार वो इसी वजह सुनसान कार पार्किंग में गाड़ी को नहीं खड़ी करती हैं। वो गाड़ी को खड़ी कर के सोने के लिए काफी रिसर्च करती हैं और ऐसी जगह ही चुनती हैं, जहां पार्किंग आसान हो।

ये दुनिया का सबसे अनोखा प्राचीन शहर, गहरी घाटी के किनारे पर है बसा

बोजौल्स साउथ फ्रांस के एवेरॉन डिपार्टमेंट में एक कम्यून है। यह शहर लगभग 1000 सालों से मौजूद है, जो एक काफी गहरी और चौड़ी घाटी के किनारे पर बसा हुआ है। घाटी को 'ले ट्रौ डे बोज़ौल्स' या 'द हॉल ऑफ बोज़ौल्स' के नाम से जानी जाती है। इस शहर के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता अद्भुत है। इन्हीं बातों के चलते इसको दुनिया का सबसे अनोखा प्राचीन शहर कहा जा सकता है, जिसे देखते ही लोग अचंभित रह जाते हैं। कितनी गहरी घाटी के किनारे पर बसा हुआ ये शहर? रिपोर्ट के अनुसार, बोजौल्स 400 मीटर चौड़ी और 100 मीटर (328 फीट) से अधिक गहरी घाटी के किनारे पर बसा हुआ है। यह घाटी घोड़े के नाल के आकार की है, जिसका निर्माण डौर्डोउ नदी के तेज बहाब के कारण हुआ था। यह जगह मैसिफ सेंट्रल क्षेत्र का हिस्सा है, जिसमें पहाड़ और पठार भी शामिल हैं। बोज़ौल्स अपनी प्राकृतिक सुंदरता और इसके चारों ओर फैली 300 फुट गहरी घाटी के लिए जाना जाता है। इसको अक्सर इसकी अनोखी बसावट की वजह से अनोखा और सुरम्य शहर बताया जाता है। बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने के लिए भी आते हैं, जब वे घाटी की गहराई और उसके किनारे बसे घरों को देखते हैं तो हैरान रह जाते हैं। घरों और चर्चों के साथ-साथ प्राचीन खंडहरों के दृश्य लोगों को मनमोहक लगते हैं। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, 1,312 फीट चौड़ी घाटी के किनारे बसे इस शहर में लगभग 3,000 लोग रहते हैं। बोजौल्स इलाके के घुमावदार आकार ने इसे एक प्राकृतिक गढ़ बना दिया, जिससे सभ्यताओं को वहां पनपने का मौका मिला। इस प्राचीन शहर की जड़ें लौह युग से हैं, जो रोमन युग से आज तक जीवित है। घाटी में नीचे अभी 9वीं शताब्दी के किले के खंडहर मौजूद हैं। वहीं, आज सबसे फेमस स्थल 12वीं शताब्दी का स्टी फॉस्टे चर्च है, जो मध्य घाटी में चट्टान के ठीक किनारे पर स्थित है। बताया जाता है कि इस जगह की भौगोलिक स्थिति का निर्माण दो मिलियन साल पहले शुरू हुआ था।

पूरे देश में क्या मोदी ही हैं एकमात्र हिंदू : अधीर रंजन

» बोले -राम का अवतार बनना चाहते हैं पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण स्वीकार नहीं करने के पार्टी के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या वह देश में एकमात्र हिंदू हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण को अस्वीकार करने के इंडिया ब्लॉक के विपक्षी दलों के फैसले ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक घमासान शुरू कर दिया है।

चौधरी ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने राजनीतिक मकसद के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल करके उनका अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार करने पर हमें हिंदू विरोधी कहा जाएगा तो शंकराचार्यों को क्या कहा जाएगा। क्या पूरे देश में सिर्फ पीएम मोदी ही बचे हैं जो हिंदू हैं। मोदी की जेब में हिंदू पेटेंट नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, वे (बीजेपी) अपने राजनीतिक मकसद के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर उनका अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा लोगों की आंखों में धुल झोंक कर मोदी खुद राम का अवतार बनना चाहते हैं। ज्ञात हो कि सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी, साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में पार्टी के विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी सहित कई कांग्रेस नेताओं ने पहले ही प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। इससे पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि वह बाद में अपने परिवार के साथ मंदिर जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के मंदिर के अंदर श्री राम लला की औपचारिक स्थापना की अध्यक्षता करेंगे। इस महीने की शुरुआत में, प्रधान मंत्री मोदी ने अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव से पहले 11 दिवसीय विशेष अनुष्ठान (अनुष्ठान) की योजना बनाई थी।

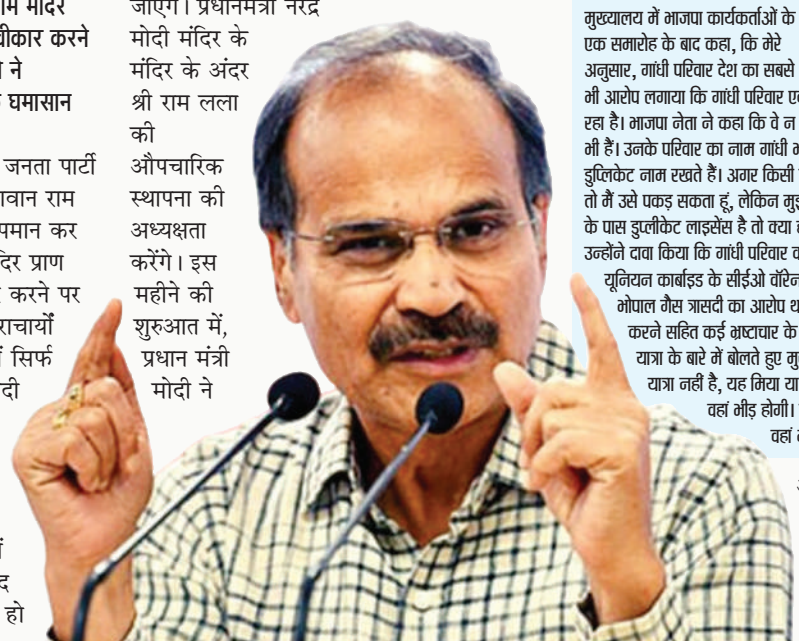

मैं नहीं सबसे भ्रष्ट है गांधी परिवार : हिमंता

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भारत में सबसे भ्रष्ट सीएम करार दिए जाने के बाद, भाजपा नेता ने गांधी परिवार को देश में सबसे भ्रष्ट कहकर जवाब दिया। सरमा ने अपने राज्य मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समारोह के बाद कहा, कि मेरे अनुसार, गांधी परिवार देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांधी परिवार एक डुप्लिकेट नाम लेकर चल रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि वे न केवल भ्रष्ट हैं बल्कि नकलची भी हैं। उनके परिवार का नाम गांधी भी नहीं है, (लेकिन) वे अपने डुप्लिकेट नाम रखते हैं। अगर किसी के पास डुप्लीकेट लाइसेंस है तो मैं उसे पकड़ सकता हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि अगर किसी के पास डुप्लीकेट लाइसेंस है तो क्या होगा। इसीलिए घूम रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार को बोफोर्स घोखाधड़ी और यूनियन कार्बाइड के सीईओ वॉरेन एम एंडरसन, जिन पर भोपाल गैस त्रासदी का आरोप था, को देश से भागने में मदद करने सहित कई भ्रष्टाचार के मामलों में फंसाया गया था। यात्रा के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह न्याय यात्रा नहीं है, यह मिया यात्रा है। जहां भी मुस्लिम होंगे, वहां भीड़ होगी। जहां भी मुस्लिम नहीं होंगे, वहां भीड़ नहीं होगी।

बिलकिस बानो मामले के दोषियों को 21 जनवरी तक करना होगा सरेंडर

» दोषियों की अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में किसी भी दोषी को आत्मसमर्पण के लिए अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दाखिल अर्जियों में कोई दम नहीं है। सभी आवेदन खारिज सभी 11 दोषियों को 21 जनवरी तक सरेंडर करना होगा।

यह शीर्ष अदालत द्वारा ग्यारह दोषियों की समयपूर्व रिहाई की अनुमति देने वाले गुजरात सरकार के माफी आदेश को रद्द करने के लगभग दो सप्ताह बाद आया है। 8 जनवरी को अदालत ने दोषियों को दो सप्ताह के भीतर 21 जनवरी तक जेल में रिपोर्ट करने का आदेश दिया था। याचिका किसने दायर की? याचिका गोविंदभाई नाई, रमेश रूपाभाई चंदना, मितेश चिमनलाल, प्रदीप रमणलाल मोढिया, बिपिनचंद कनैयालाल, राधेश्याम भगवान दास, जसवन्तभाई चतुरभाई नाई, शैलेशभाई चिमनलाल भट्ट, केशरभाई खिमाभाई वोहनिया, प्रदीप रमणलाल मोढिया और राजूभाई बाबूलाल सोनी दायर की गई थी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सभी 10 दोषियों ने पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने, वृद्ध माता-पिता की देखभाल, सर्दियों की फसलों की कटाई और स्वास्थ्य स्थितियों जैसे कारणों का हवाला देते हुए आत्मसमर्पण करने के लिए और समय मांगा था।

सीएम के दौरे का कौन उठा रहा खर्चा : आदित्य

» श्रीकांत शिंदे के आधिकारिक नीदरलैंड दौरे पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव गुट की शिवेसना के नेता आदित्य ठाकरे ने सांसद श्रीकांत शिंदे के नीदरलैंड के आधिकारिक दौरे पर सवाल खड़े किए हैं। बिना नाम लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने कहा कि बागियों का एक सांसद कल्याण डोंबिवली और ठाणे के नागरिक आयुक्तों और मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अतिरिक्त आयुक्त के साथ नीदरलैंड गया है।

महाराष्ट्र सरकार ने कब से सांसदों को शहरी विकास विभाग के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की अनुमति देना शुरू कर दिया है। आदित्य ठाकरे ने गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या इस प्रतिनिधिनमंडल का नेतृत्व इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह संबंधित विभाग के मंत्री के बेटा है या इसलिए कि वह एक सांसद हैं।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि क्या विदेश मंत्रालय ने इस दौरे के लिए मंजूरी दे दी है। साथ ही कहा कि इस यात्रा के लिए किसने भुगतान किया है, महाराष्ट्र सरकार या नीदरलैंड सरकार ने। गौरतलब है कि श्रीकांत शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं। वह कल्याण लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल पर उठाया सवाल

» पूछा- क्या राजनीतिक दल रैली में बिना भुगतान कर सकते हैं बसों का प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या राजनीतिक दलों की ओर से रैलियों में बिना भुगतान के सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया जा सकता है? शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की। हाईकोर्ट ने यूपी कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) को यूपी राज्य पथ परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) को 2.66 करोड़ रुपये बकाया चुकाने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई और कहा कि बकाया वसूली के आदेश पर रोक यूपीसीसी की ओर से चार हफ्ते में 1 करोड़ रुपये जमा करने की शर्त के अधीन होगी। यूपी में 1981 से 1989 के बीच सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने रैलियों में रोडवेज बसों-टैक्सियों का इस्तेमाल किया था और तब से बिल बकाया है। जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने यूपीसीसी की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि वह याचिकाकर्ता की वास्तविक देनदारी का पता लगाने के लिए मध्यस्थ नियुक्त करने की संभावना तलाशेगी। यूपीसीसी के वकील सलमान खुर्शीद ने कहा कि भले ही हाईकोर्ट ने कहा था कि 1972 अधिनियम के तहत कोई वसूली नहीं हो सकती पर विवेकाधीन शक्तियों के माध्यम से माना कि राशि का भुगतान करना होगा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा, क्या राजनीतिक दल रैलियों के लिए बिना भुगतान के सार्वजनिक परिवहन इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पर खुर्शीद ने उत्तर दिया 'नहीं'।

भारतीय महिला हॉकी टीम का सपना टूटा

» जापान के खिलाफ मिली हार से कटा पेरिस ओलंपिक का पत्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। भारतीय महिला हॉकी के फैंस के लिए बुरी खबर है। दरअसल, भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई है। बता दें कि, एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में भारत को जापान से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को इस मैच में जीत हासिल करनी थी, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होने वाला है। भारत और जापान के बीच इस मैच रांची के बिरसा मुंडा इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया था। मुकाबले में जापान के लिए इकलौता गोल काना उराता ने खेल के छठे मिनट में किया। उराता ने पेनल्टी कॉर्नर पर ये गोल दागा। भारत को भी गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन जापानी डिफेंस ने उसके हर प्रयास को नाकाम कर दिया। देखा जाए तो भारत को मैच में नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन इक बार भी वह गोलपोस्ट को भेद नहीं पाई। उदिता और दीपिका जूनियर से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों का प्रदर्शन इस मैच में फीका रहा।

कोच शॉपमैन के भविष्य पर संकट

भारतीय महिला हॉकी टीम के 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल होने के बाद कोच यानेक शॉपमैन के भविष्य पर अनिश्चितता मंडरा रही है। भारतीय टीम एफआईएच क्वालीफायर के तीसरे स्थान के मैच में जापान से 0-1 से हार गयी जिससे उसका ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सपना टूट गया। जापान के लिए काना उराता ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया जो निर्णायक रहा। शॉपमैन ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि हम कल जर्मनी से मिली हार के बाद मानसिक रूप से तैयार थे। हमने रक्षण में भी अच्छी शुरूआत नहीं की और ऐसा कभी कभार हो जाता है। बतौर टीम हमने जुझारू खेल दिखाया, शुरू में गोल गंवाने के बाद हमने पूरे मैच में दबदबा बनाया। हमें गोल करने की जरूरत थी लेकिन हम नहीं कर सके। हम ऐसा क्यों नहीं कर सके, अगर मैं इसका जवाब जानती तो मैं यहां नहीं खड़ी होती।

सबसे बड़े राम भक्तों को नहीं दिया गया निमंत्रण : दिग्विजय

» लगाया आरोप- रामनामी संप्रदाय को भूल गए पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रभु श्रीराम के दर्शन के लिए भक्तों को बेसब्री से इंतजार हैं, लेकिन इस बीच राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए भगवान राम के सबसे बड़े भक्त का जिक्र किया है। साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में उन्हें निमंत्रण न देने को लेकर सवाल किया है। दिग्विजय सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ में रामनामी संप्रदाय के लोग अपने पूरे शरीर पर राम गुदवा लेते हैं। इनसे बड़ा राम भक्त कौन हो सकता है।

क्या इन्हें पीएम नरेंद्र मोदी और विश्व हिंदू परिषद ने आमंत्रित किया था। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर कहा कि परसूराम जी को अनुसूचित जाति के होने के कारण 1890 में उन्हें मंदिर में प्रवेश नहीं दिया गया। दुखी होकर उन्होनें अपने कपाल और पूरे शरीर पर राम गुदवा लिया। वहीं से रामनामी संप्रदाय स्थापित हुआ। आज भी छत्तीसगढ़ में रामनामी संप्रदाय के लोग अपने पूरे शरीर पर राम गुदवा लेते हैं। इनसे बड़ा राम भक्त कौन हो सकता है, क्या इन्हें पीएम नरेंद्र मोदी और विश्व हिंदू परिषद ने आमंत्रित किया था।

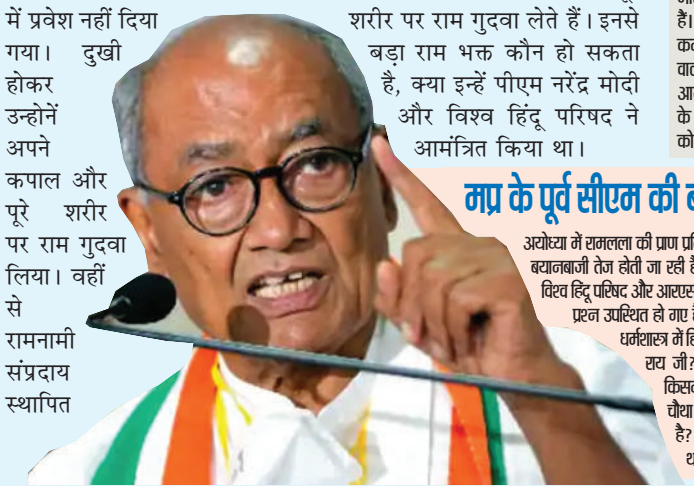

राम के दर्शन के लिए निमंत्रण की आवश्यकता नहीं

वहीं 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए कांग्रेस पार्टी के निमंत्रण को अस्वीकार करने के बाद दिग्विजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि हमें भगवान राम में आस्था है और हमें भगवान राम के दर्शन की कोई जल्दी नहीं है। एक बार अयोध्या राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाए तो हम वहां जाएंगे। हमें भगवान राम के दर्शन के लिए निमंत्रण की आवश्यकता नहीं है और हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार निर्माणाधीन मंदिर में प्रतिष्ठा समारोह नहीं हो सकता है।

दिग्विजय सिंह को सनातन पर बोलने का अधिकार नहीं : सलूजा

दिग्विजय सिंह के सवालों पर भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह को राममंदिर के बारे में बोलने का हक नहीं है। उनका राम और सनातन धर्म विरोधी चेहरा कई बार देखा है। ओसामा जी, जाकिर नाइक शांति दूत, हाफिज साहब यही उनके आदर्श हैं। वे सदैव हिंदू धर्म को कोसने का काम करते हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने गोडसे को पूजने वाले को कांग्रेस में शामिल कराया था। वे लोग आज सवाल उठा रहे हैं। इसका विरोध खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने किया था। कांग्रेस को सनातन पर लिखने का अधिकार ही नहीं है।

मप्र के पूर्व सीएम की बीजेपी पर सवालों की बौछार

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी तेज होती जा रही है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस को टैग कर लिखा कि आज जनमानस में कुछ प्रश्न उपस्थित हो गए हैं। पहला भगवान राम बड़े या मोदी जी? दूसरा हिंदू धर्मशास्त्र में हिंदुओं को कौन मार्ग दिखाए, शंकराचार्य जी या चंपत राय जी? तीसरा सनातन धर्म की मान्यताओं का पालन किसने किया? महात्मा गांधी ने या नाथूराम गोडसे ने? चौथा क्या निर्माणाधीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जा सकती है? पांचवां राम भगवान का जन्म राम नवमी पर हुआ था क्या प्राण प्रतिष्ठा उसी दिन नहीं हो सकती थी?

धर्म के राजनीतिकरण से हो रही जनहित की अनदेखी : मायावती

» यूपी व उत्तराखंड इकाई की हुई समीक्षा बैठक

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख व पूर्व सीएम मायावती ने कहा है कि वर्तमान में धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए राजनीतिकरण उचित नही है। इससे देश का जनहित प्रभावित हो रहा है।

बसपा प्रमुख आज पार्टी मुख्यालय में यूपी व उत्तराखंड के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग पूरी ताकत से आगामी लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कैडर के लोग सर्व समाज के बीच जाकर बाब साहब भीम राव अंबेडकर की बातों को बताकर अपना समर्थन करने को कहें। उन्होंने एकबार फिर दोहराया कि वह किसी से गठबंधन नहीं करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन से पार्टी को कोई लाभ नहीं मिलता और कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूटता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाने पर सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

एक राष्ट्र एक चुनाव संघीय राजनीति को नुकसान पहुंचाएगा : पंकज गुप्ता

» कांग्रेस के बाद आप ने भी किया विरोध, समिति को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर अपने विचार उच्च स्तरीय समिति को विचार के लिए भेजे। आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने उच्च स्तरीय समिति, एक राष्ट्र, एक चुनाव के सचिव नितेन चंद्रा को पत्र लिखा। आप का कहना है कि आम आदमी पार्टी एक देश एक चुनाव के विचार का पुरजोर विरोध करती है।

उन्होंने पत्र में लिखा, एक राष्ट्र एक चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार, संविधान की मूल संरचना और देश की संघीय राजनीति को नुकसान पहुंचाएगा। एक राष्ट्र एक चुनाव त्रिशंकु विधायिका से निपटने में असमर्थ है, और सक्रिय रूप से दल-बदल विरोधी और विधायकों /सांसदों की खुली खरीद-फरोख्त की बुराई को प्रोत्साहित करेगा। एक साथ चुनाव कराने से जो लागत बचाने की कोशिश की जा रही है वह भारत सरकार के वार्षिक बजट का मात्र 0.1 प्रतिशत है।

नहीं रुक रहा गोवध : अविमुक्तेश्वरानंद

» प्राण प्रतिष्ठा में शामिल न होने की बताई वजह

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का विरोध करने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एक बार फिर बड़ी टिप्पणी की है। कार्यक्रम के विरोध की वजह से उन पर विपक्षी दलों के करीबी और प्रायोजित होने के लग रहे आरोपों पर सफाई दी है। इसके अलावा अयोध्या नहीं जाने के अपने कारणों के बारे में उन्होंने बताया है, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि भगवान राम ने गोमाता को बचाने के लिए अवतार लिया था लेकिन आज भारत में गोवध नहीं रुक रहा।

इसलिए वह भगवान राम के सामने नहीं जा सकते क्योंकि उन्हें इस बात का मलाल है कि जिस गौ रक्षा के लिए भगवान ने अवतार लिया वहीं गो माता पीड़ित हैं। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि मंदिर निर्माण का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है इसलिए प्राण प्रतिष्ठा ठीक नहीं है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मैं शास्त्रों का पाठ करता हूं और उसमें इस बात का साफ तौर पर जिक्र है। अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करना गलत है।

मैंने कांग्रेस के ही मुख्यमंत्री को फटकार लगाई थी

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा है कि अभी किसी पार्टी की इतनी ताकत नहीं है कि मुझे प्रायोजित कर सके। उन्होंने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा का जिक्र करते हुए कहा कि मेरे खिलाफ जो वीडियो दिखाये जा रहे हैं उसमें यह भी दिखाया जाना चाहिए कि मैंने कांग्रेस के ही एक पूर्व मुख्यमंत्री को इतनी बुरी तरह फटकार लगाई थी कि वे भाग कर अपने सुरक्षा बलों की गाड़ी में छुप गए थे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जो गलत है उसका मैं विरोध हमेशा से करता रहा हूं गलत करने वाला कोई अपना नहीं होता।

जेट स्ट्रीम व पश्चिमी विक्षोभ ने बढ़ा दी ठंड

» तीन-चार दिनों तक रेड व ऑरेंज अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में भीषण सर्दी और घने कोहरे का सबसे बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) का सक्रिय न होना है। इसके अलावा अल नीनो और जेट स्ट्रीम भी जिम्मेदार है। ठंड का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा। पंजाब से दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक समूचा पूर्वोत्तर भारत भीषण शीत और घने कोहरे की चपेट में है। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और यूपी के लिए 23 जनवरी तक ठंड व कोहरे को लेकर रेड व ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इस दौरान पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान 2-10 डिग्री के बीच सिमटा रहेगा। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है। घने कोहरे से सड़क, रेल और हवाई सेवाएं बाधित हुई हैं। शुक्रवार को मैदानी क्षेत्रों में 2.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर और बीकानेर सबसे सर्द रहे। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के अभाव, अल-नीनो के चलते ठंड व घने कोहरे की स्थिति पांच दिन तक रह सकती है। पिछले पांच दिनों से उत्तर भारत में समुद्र तल से करीब 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर 250 से 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली शक्तिशाली जेट स्ट्रीम चल रही है। इन शक्तिशाली हवाओं के प्रभाव से पूरे उत्तर भारत में सर्द हवाएं चल रही हैं, इससे ठंड और शीत लहर का कहर बढ़ रहा है।

कोहरे के कहर से अभी नहीं मिलेगी राहत

मौसम विभाग ने जो ताजा अपडेट जारी किया है उसके मुताबिक उत्तर भारत में अभी सर्दी और कोहरे के कहर से राहत नहीं मिलेगी। आईएमडी के अनुसार 21 जनवरी तक उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गंभीर शीतलहर का खतरा बना रहेगा। इसी दौरान पंजाब और हरियाणा में भीषण शीत लहर का कहर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी रहेगी। 20 और 21 जनवरी को उत्तरी राजस्थान, पश्चिमी यूपी में शीतलहर चल सकती है। साथ ही हिमाचल और उत्तराखंड में पाला पड़ने की भी आशंका जताई गई है। इसी तरह पंजाब,हरियाणा, उत्तराखंड समेत समूचे उत्तर और मध्य भारत में घना कोहरा छाया रहेगा। जनवरी के अंत तक भीषण सर्दी, शीत लहर और घने कोहरे का प्रकोप जारी रह सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।